

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर निर्मित

## पाठ्यक्रम

---

---

शास्त्री तृतीय सत्रार्द्ध [बौद्धदर्शन]

---

---

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित]

जनकपुरी नई दिल्ली

## बौद्धदर्शन

पत्र संख्या - DSCC - 06

पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. आचार्य-नागार्जुनपादस्य व्यक्तित्वं कृतित्वञ्च, रत्नावल्याः पृष्ठभूमिः,  
महत्त्वञ्च, मङ्गलाचरणं प्रतिज्ञावचनञ्च
2. अभ्युदयनैःश्रेयसधर्मयोः क्रम-भेद-साधनादीनि च,
3. श्रद्धाप्रज्ञयोः भेदः,
4. श्रेयसो भाजनम्,
5. पण्डितस्य लक्षणम्,
6. दशशुक्लपथाः दशकृष्णपथाश्च,
7. अभ्युदयधर्मः,
8. शरीरतापनस्य अधर्मत्वम्,

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. हिंसा-विहिंसा-चौर्य-परदारिकानां कायिककर्मणां दोषाः,
2. मृषावाद-पैशुन्य-पारुष्य-सम्भिन्नप्रलापानां वाचिककर्मणां दोषाः,
3. अभिध्या-व्यापाद-मिथ्यादृष्टीनां मानसिककर्मणां दोषाः।
4. अशुभकर्मणः शुभकर्मणश्च लक्षणम्,
5. अशुभशुभकर्मणोयः फलम्,
6. नैःश्रेयसधर्मस्य सूक्ष्मता गम्भीरता च,
7. अहङ्कार-ममकारयोः कारणानि, दोषाः निवारणानि च।
8. निर्वाणस्य लक्षणम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. नास्तित्वादृष्टिः तद्दोषाश्च।
2. अस्तित्वादृष्टिः तद्गुणाश्च
3. सद्भिः कः मोक्षः उच्यते
4. हेतुफलयोः अस्तित्वास्तीति अन्तद्वयाभावसन्दर्शनम् (1.46)
5. हेतुफलयोः स्वभावसिद्धिनिराकरणम् (1.47)
6. अस्मिन् सति इदं कथं भवति?
7. सति मोहे न मुच्यते
8. मोक्षप्राप्तये अद्वयज्ञानस्यावश्यकता (1.57)

शास्त्री-तृतीय-सत्रार्द्ध [पारम्परिक विषय]

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
1.	संस्कृतलक्षणानां स्वभावसिद्धिनिराकरणम्		
2.	परमाणोः नित्यतायाः खण्डनम्(1.66-67)		
3.	नित्यपुरुषस्य खण्डनम्(1.68)		
4.	एकानेकरहितयुक्त्या भावानां स्वभावसिद्धिनिराकरणम्		
5.	भगवतो बुद्धस्य सर्वज्ञत्वसाधनम्		
6.	अनालयात् धर्मात् कथं भीताः भवन्ति अमेधसः?(1.76)		

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - आचार्यनागार्जुनविरचिता रत्नावली

(प्रथमपरिच्छेदः, प्रथमाकारिकातः 77 कारिकापर्यन्तम्),

सम्पादकः व्याख्याकारश्च, डॉ. अवधेश कुमार चौबे,

प्रकाशक- भारतीय विद्या संस्थान, सी. 27/59, जगतगंज, वाराणसी।

## बौद्धदर्शन

पत्र संख्या - DSCC - 07

पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

माध्यमिकदर्शनस्य सामान्यपरिचयः, आचार्य-आर्यदेवस्य व्यक्तित्वं कृतित्वञ्च

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

दुःखे सुखसंज्ञा-प्रहाणोपाय-सन्दर्शनम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अनात्मनि आत्मसंज्ञा-प्रहाणोपाय-सन्दर्शनम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अनित्ये नित्यसंज्ञा-विपर्यासप्रहाणोपाय-सन्दर्शनम्

### पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

आर्यदेवविरचितं चतुःशतकम् (प्रथमद्वितीयचतुर्थप्रकरणानि), सम्पादकः गुरुचरण सिंह नेगी,  
प्रकाशकः धीः पब्लिकेशन्स, मकान न. 31, ब्लॉक न. 12, न्यू तिब्बतन कालोनी,  
न्यू अरुणा नगर, मजनु का टीला, दिल्ली- 110054, प्रकाशनवर्ष 2018

### सन्दर्भग्रन्थः

1. Aryadeva's Catuhsataka: On the Bodhisattava's Cultivation of Merit and knowledge, karen Lang, Indiske Studier VII. Copenhagen : Akademisk Forlag, 1986
2. Ruth, Sonam (Tr.) Arya Deva's Four Hundred Stanzas on the Middle Way